amaan.cooldude18
राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 270
नागराज और
काबुकी का खज़ाना
मुफ्त
नागराज का एक पोस्टर

# नागराज और काबुकी का खजाना

लेखक : संजय गुप्ता
सम्पादन : मनीष चन्द्र गुप्त
कला निर्देशन : प्रताप मुळीक
चित्र : चंदू, सुलेख : पालवणकर

सेलेस गेम रिजर्व के नाम से प्रसिद्ध वन्य प्राणियों का अभयारण्य है तन्जानिया का ये जंगल, जहां वन्य प्राणी जगत के लुप्त होते जीवों को सरकार द्वारा संरक्षण दिया जाता है।
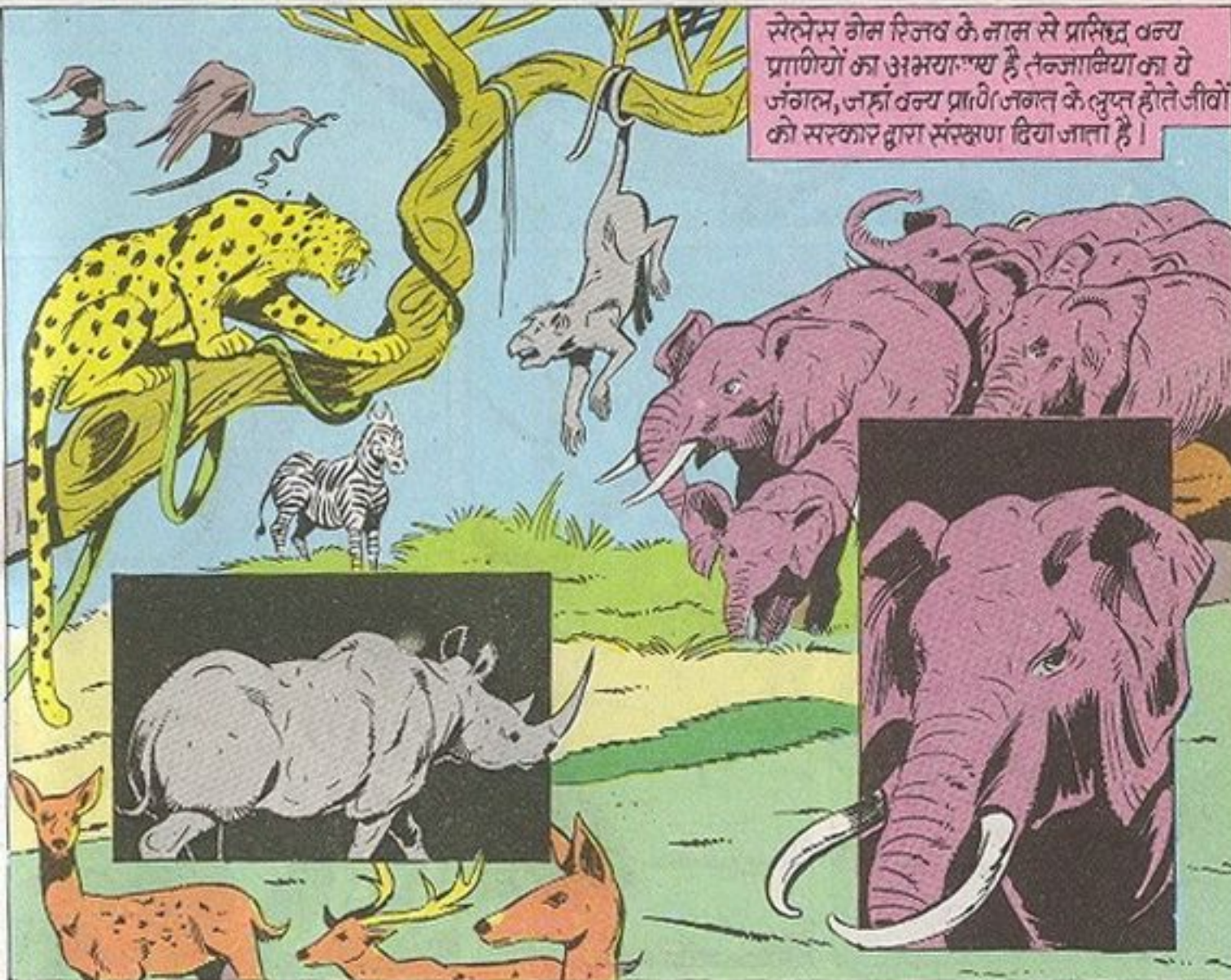
जंगली कबीले के लोग हाथी को 'काबुकी' बोलते हैं।

काबुकी!!

काबुकी!!

कहते हैं 'काबुकी' को अपनी मृत्यु का पूर्वाभास हो जाता है। और तब वह चल पड़ता है एक निश्चित स्थान की ओर...

...जहां पहुंचकर वह दम तोड़ देता है —

मृत काबुकी के दांत के अरबों रुपयों के इस विशाल खजाने तक आज तक कोई मनुष्य नहीं पहुंच पाया —

विश्व की बड़ी-बड़ी शक्तियां इस खजाने के पीछे पड़ी हैं, जिनमें से एक जापान की मिस किलर, अरब का शैतान YBAK फोर्स का नेता-युसुफ बिन अली खान, चीन के माफिया गिरोह का कुख्यात दरिंदा कोया-कोया हितैची!



औह!! सम्राट थोडीगा!
तन्जालिया के जंगलों का बेताज बादशाह! जंगल का सबसे क्रूर व हिंसक जानवर कहते हैं उसे। एकमात्र व्यक्ति जो जानता है कि काबुकी का खजाना कहां है!

तंजानिया की राजधानी, दोदोमा! और... अरे, ये तो नागराज है। ये यहां क्या कर रहा है?

शैतान थोडांगा, सेलेस गेम रिजर्व को तेरे आतंक से मुक्त कराने आया हूं मैं!

इधर शहर से दूर सेलेस गेम रिजर्व के एक हिस्से में—
खटाक

लड़की ने अपने पांव को उस ट्रैप से निकालने की भरपूर चेष्टा की—
य...ये क्रोधित हाथी मुझे छोड़ेंगे नहीं!

चिंग्घां ऽऽ
अपने पर हुए गोलियों के आक्रमण का बदला ये मुझसे लेंगे।
उफ डेनियल! क्या अपने अंतिम समय में किसी तुमसे मिल भी न सकेगी?

तभी—
सिसी! म...मैं आ रहा हूं सिसी! घबराना नहीं!
डेनियल!

यह देखते ही सिसी चीख पड़ी—
डेनियल! मेरे निकट मत आना! वापस चले जाओ!

हाथियों का दल सिसी के सिर पर पहुंच चुका था—
ओह, गॉड! सिसी की मदद कर!

सिसी की आंखें मौत की दहशत से चौड़ी हो गईं—
अब मैं नहीं बचूंगी!

और मानो डेनियल की पुकार भगवान तक पहुंच गई—

खटाक
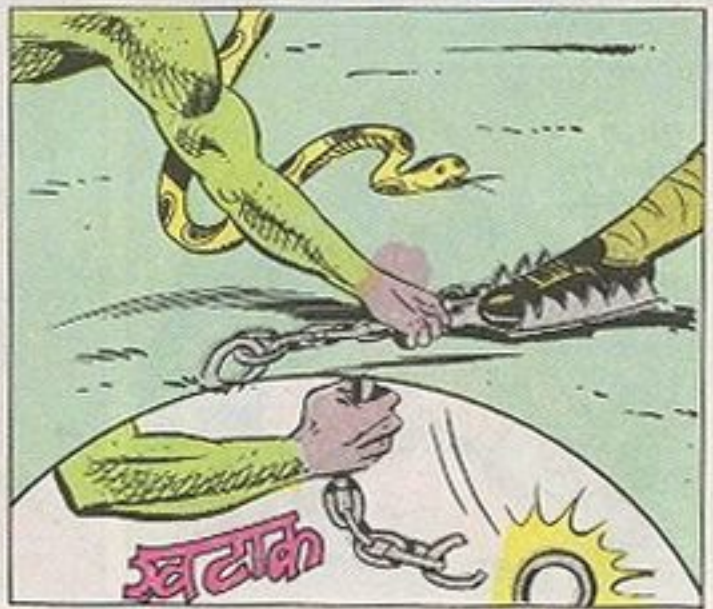
दूसरे ही पल —
घबराओ नहीं सिसी! अब तुम सुरक्षित हो।
तुम... तुम...
सिसी उसे पहचानकर बुरी तरह से चौंकी, लेकिन —
हाथियों का ध्यान बंटाने के लिये मुझे उनके सामने से होकर गुजरना होगा।
...अन्यथा गुस्से में पागल ये सारे हाथी सिसी का पीछा नहीं छोड़ेंगे।
मेरा अनुमान ठीक निकला। अब हाथियों का ध्यान सिसी से हटकर मुझ पर केन्द्रित हो चुका है।...
छपाक
...और हाथियों का ध्यान अपने से हटाने के लिए ये झील मेरी मदद करेगी।
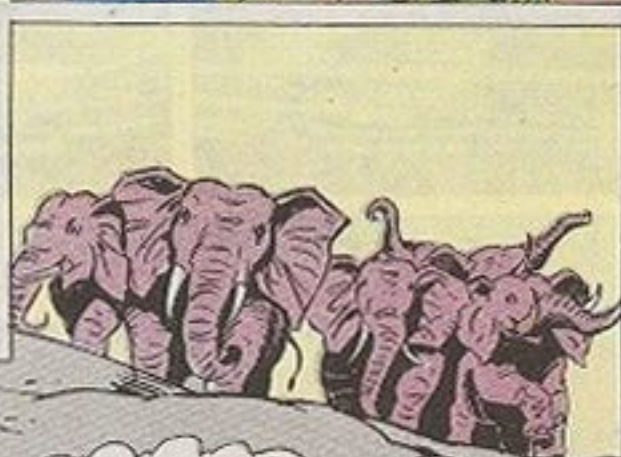
* पोचर्स: जानवरों के शिकारी।

मस्त हाथियों का झुण्ड अपनी निर्बाध गति से झील की तरफ बढ़ता आ रहा था। नागराज ने पेड़ का एक मोटा तना उठाया —
शोर मचाकर इन्हें भगाने की कोशिश करता हूं। है तो असम्भव ही।

नागराज शोर मचाता हुआ हाथियों की तरफ बढ़ा —

हाथियों के झुण्ड का मुखिया हाथी पहले तो चौंका। फिर अपनी राह में व्यवधान डालने नागराज को पहचानकर उसकी तरफ दौड़ा —
लगता है ये मुझे पहचान गया है।

फिर जैसे तूफान आ गया हो — हाथियों का पूरा झुण्ड नागराज को रौंदने के लिए दौड़ पड़ा —
अरे बाप रे! यह तो मौत बुला ली मैंने।

नागराज दौड़ा, और —
पड़ गया रे कालिया मेरे पीछे। अब तेरा क्या होगा नागराज?
नागराज सर्प की मानिंद रेंगकर पेड़ पर चढ़ गया।
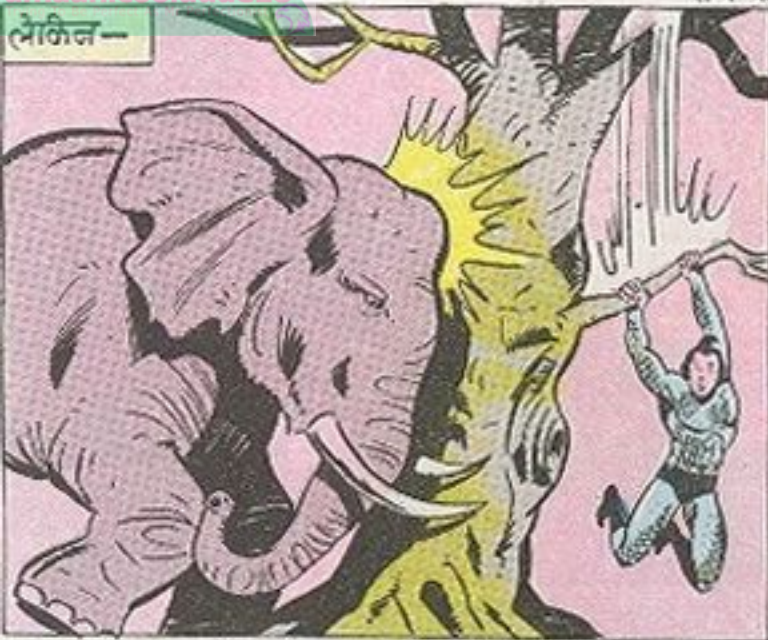
लेकिन—
अगली टक्कर में पेड़ नीचे था—
चर्र्र्र
कड़ाक
फिर तो हाथियों के झुण्ड ने तबाही का तांडव मचा दिया। नागराज एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर कूदकर बचता रहा—
इन्हें बचाऊंगा कैसे! इनसे तो बचना ही मुश्किल हो रहा है।
कुछ देर बाद हाथी थक गए। और—
उफ! अब कुछ दम मिला है। लेकिन ••• लगता है ये हाथी अब फिर पानी पीने आ रहे हैं। •••
••• लेकिन मैं इन्हें अपनी आखरी सांस तक बचाने की चेष्टा करूंगा।
जैसे ही मुखिया हाथी ने पानी में सूंड डालनी चाही—
चीं ई ई ssssss
अब तेरा क्या होगा रे कालिया!

गुस्से में मदमाता कालिया हाथी फिर नागराज की तरफ भागा —

क्रियां
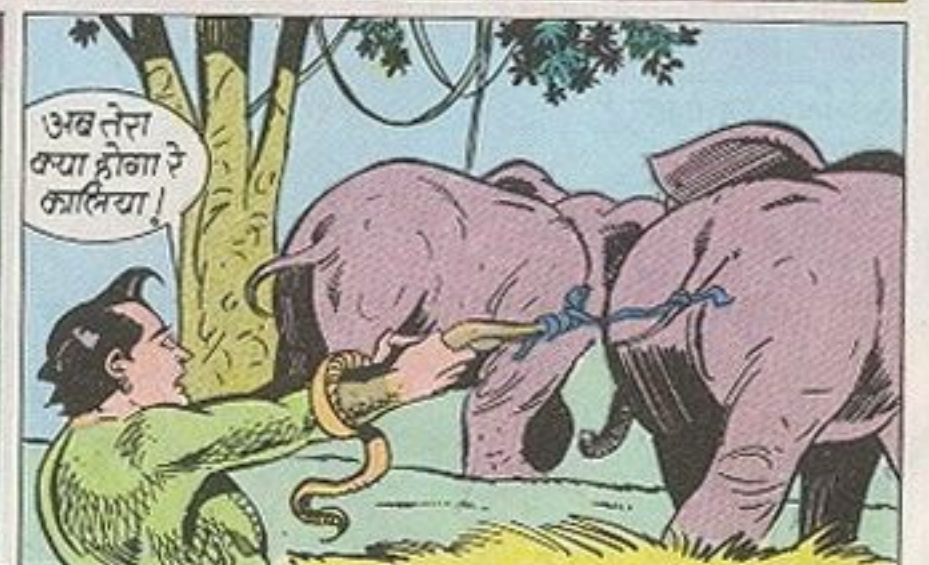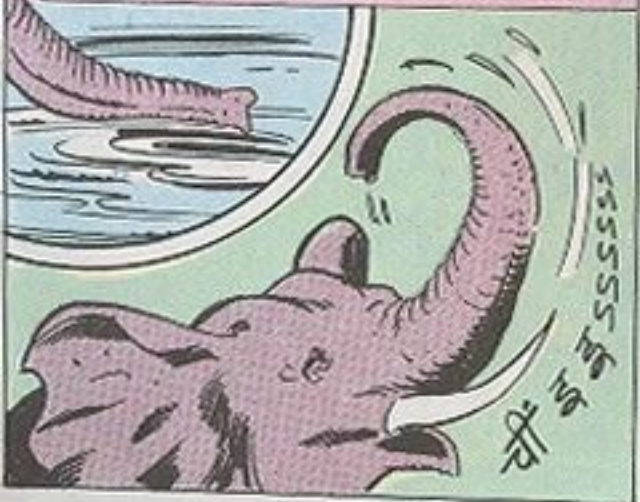
बेटे कालिया! तुम तो मरने-मारने पर तुले हो! पर नागराज तुम्हें बचाकर रहेगा!

किन्तु जहरीले पानी को पीकर तड़पते अपने साथी हाथियों की चिंघाड़ सुनकर उसे रुक जाना पड़ा —

च्री ईंई

जिन हाथियों ने इस दौरान झील का पानी पी लिया था, वे सब चिंघाड़-चिंघाड़कर जमीन पर पड़े तड़प रहे थे —

उफ! वही हुआ जिसका डर था!

तब जबकि सभी हाथी उन बेहोश और तड़पते हुए हाथियों को घेरे खड़े थे —

हे गुरू गोरखनाथ! क्या किया जाए जिससे इन निरीह प्राणियों की जान बच सके?

एक तीव्र प्रकाश चमका —

वत्स नागराज! इन हाथियों को चढ़े जहर की काट तुम्हारे पास है: इन हाथियों की जिव्हा पर दंश करके तुम इनका सारा जहर चूस लो!

ओह! धन्यवाद गुरूदेव!

नागराज सधे हुए कदम बढ़ाता मौन खड़े हाथियों के बीच पहुंचा, और —
नागराज तुम्हें बचाने का अपना वायदा पूरा करेगा दोस्त !

नागराज एक-एक कर सभी बेहोश पड़े हाथियों का जहर चूसता चला गया —
कमाल है कैसे शांत खड़े देख रहे हैं सभी।
कोई गुस्सा नहीं कोई तनाव नहीं। क्या बात है !

और वे हाथी उठ बैठे —
चींईईईऽऽऽ
वाह! जय गुरु गोरखनाथ!
और फिर देखते ही देखते सभी हाथी स्वस्थ हो उठे।

फिर —
लगता है यह सब मेरा आभार प्रकट कर रहे हैं।
वाह! मैं तुम्हें काली कहूंगा दोस्त!

नागराज को अपनी पीठ पर बैठाकर मुखिया हाथी आगे बढ़ा, तभी —

ठहरो! ठहरो दोस्त!

ओह!

सिसी को देखते ही हाथी पुनः उत्तेजित हुआ, किंतु नागराज ने उसे शांत कर लिया, फिर —

धन्यवाद दोस्त काली!

इन्सान है या जादूगर! हाथी को कैसे अपने वश में कर लिया?

अगर आज तुम समय पर न पहुंच जाते तो क्रुद्ध हाथी मेरी चटनी बना डालते।
लेकिन नागराज, तुम सेलेस गेम रिजर्व के जंगलों में क्या कर रहे हो ?
तुम जैसे दोस्तों और...
...थोडांगा जैसे दरिन्दों की तलाश।
थोडांगा

त...तुम थोडांगा की तलाश में यहां आए हो नागराज ?
हां

हां। थोडांगा के साथ मुझे एक और चीज की भी तलाश है।...
...और वह है काबुकी का खजाना।

मैंने सुना है कि काबुकी का खजाना इन्हीं जंगलों में कहीं बिखरा पड़ा है।...
...डेनियल ! मैं चाहता हूं कि तुम लोग मेरी इस काम में मदद करो।...

...थोडांगा की तबाही के साथ ही मैं तुम्हारे देश को काबुकी का खजाना भी ढूंढ़कर दूंगा।

नागराज! काबुकी के खजाने की हमारे देश को वाकई बहुत आवश्यकता है!...
...अगर काबुकी का खजाना मिल जाए तो हमारे देश की बिगड़ी अर्थ-व्यवस्था सुधर सकती है!...
...लेकिन न सिर्फ हमारी सरकार...बल्कि विश्व के बड़े-बड़े सूरमा अपराधी भी कोशिशें करके थक-हार चुके हैं!...
...बावजूद इस जानकारी के कि काबुकी का खजाना कहां है, सम्राट थोडांगा भी आज तक वहां पहुंचने में सफल नहीं हो सका है।
नागराज! सम्राट से बड़ी कोई और शक्ति नहीं है पूरे अफ्रीका में। हम तो मौत के निमंत्रण पर चलेंगे तुम्हारे साथ, पर तुम भी सोचलो एक बार! बहुत बेरहम हत्यारा है वह...!
सिसी! मैंने विश्व से अपराध व आतंकवाद को समाप्त करने का जो बीड़ा उठाया है, उसमें भय व सोचने की तो गुंजाइश ही नहीं है।
और अब तो थोडांगा को तलाश करना और जरूरी हो गया है, क्योंकि काबुकी के खजाने का पता भी तो पूछना है मुझे उससे।
नागराज, थोडांगा के बारे में हमें यहां के उत्तरी छोर पर स्थित कबीले वालों से अच्छी जानकारी मिल सकती है। एक सकालू कबीले वाले मेरी पहचान के हैं। हम कल उनसे मिलने चलेंगे।
तब तक तुम हमारे मेहमान रहोगे नागराज!
मुझे कोई ऐतराज नहीं!
फिर वे काली पर सवार होकर चल पड़े।

अगले दिन तीनों काली पर सवार होकर कबीले की तरफ बढ़े ही थे, कि –
नागराज, वह देखो! लगता है इसे कल रात ही किसी समय गोली का निशाना बनाया गया है!
ओह! माई गॉड! कितनी बेदर्दी से इसके दांत निकाल लिए गए हैं!
नागराज! हमारी हजारों सावधानियों के बावजूद इन निरीह प्राणियों का शिकार होता है। यही इन शिकारियों की शक्ति को दर्शाता है।
शिकारियों को कड़ी सजाएं होती हैं। फिर भी वे शिकार करने से नहीं चूकते, क्योंकि इसमें भारी कमाई होती है।
और इन सब शिकारियों के पीछे जो शक्ति है, वह है सम्राट थोडांगा!
अब ऐसी कोई शक्ति जिंदा नहीं बचेगी डेनियल!
ठीक इसी पल अचानक मानो बिजली कौंधने की सी आवाज हुई –
क्रियां
भड़ाक
काली भयानक ढंग से चिंघाड़ उठा –
उफ! यह क्या हुआ?
आह ऽऽ
सिसी.. ओह, नहीं!
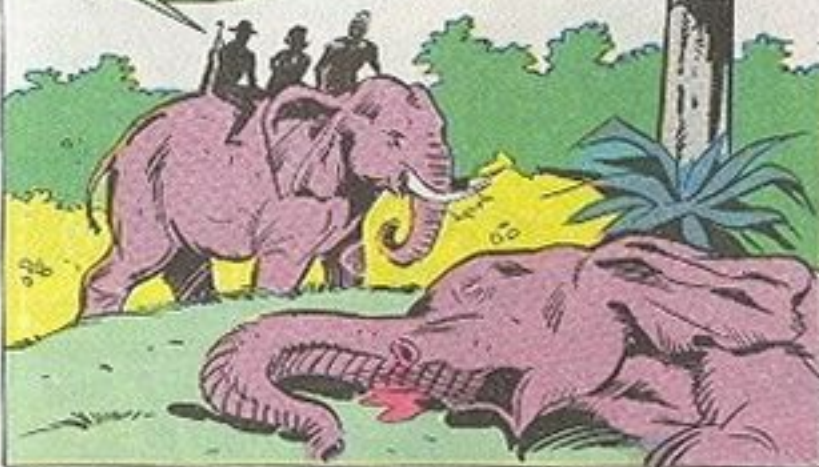
सम्राट थोडांगा की इजाजत के बिना सेल्वेस गेम्स रिजर्व के जंगल में कैसे घुस आया रे मच्छर!
जिपा!
?!
नागराज! ये जिपा है। थोडांगा का दायां हाथ!
थोडांगा!
जिपा की आंखों में अंगारे सुलग उठे—
सम्राट थोडांगा का नाम इज्जत से लिया जाता है कुत्ते!
जिपा का हथौड़ा डेनियल के सिर पर बरसने के लिए उठ गया—
अब भुगत अपनी गलती का दण्ड!

नागरस्सी दौड़ पड़ी —
ओह! किस की हिम्मत हुई जिपा की कलाई थामने की...
जिपा की आंखें आश्चर्य के साथ फैल गईं —
सांपों की बनी रस्सी!?
जिपा ने कलाई को भरपूर झटका दिया —
ओफ्फ
मुझे इन केंचुओं से बांधना चाहता है।
यह ले देख अब जिपा के हथौड़े की ताकत!
सड़ाक
गजब का ताकतवर है ये।
खड़ाक
नागराज ने पलटकर वार किया —
ऊंह

आह!

टनक
आह

इस बार जिपा ने जैसे ही हथौड़ा घुमाया—
थाड़

यह देख डेनियल की आंखों में खून उतर आया—
जिपा! कमीने! हरामजादे!
नागराज!

लेकिन इससे पहले कि वह फायर कर पाता—
हा हा हा हा! तुम्हें तो सम्राट थैलांगा की दासियों में होना चाहिए लड़की!
आह, नहीं! छ... छोड़ कुत्ते!
ओह!

भड़ाक
ओह!
छोड़ दे कमीने, सिसी को!

गुंटारा की घाटी! जिपा की यही बड़बड़ाहट मेरे कानों में पड़ी थी।

कहां है गुंटारा की घाटी? जिपा उन्हें जरूर वहीं ले गया होगा।

च्रींआं

ओह काली! इसकी पीठ पर हथौड़े का वार किया था जिपा ने।

कहीं कोई हड्डी न टूट गई हो इसकी!
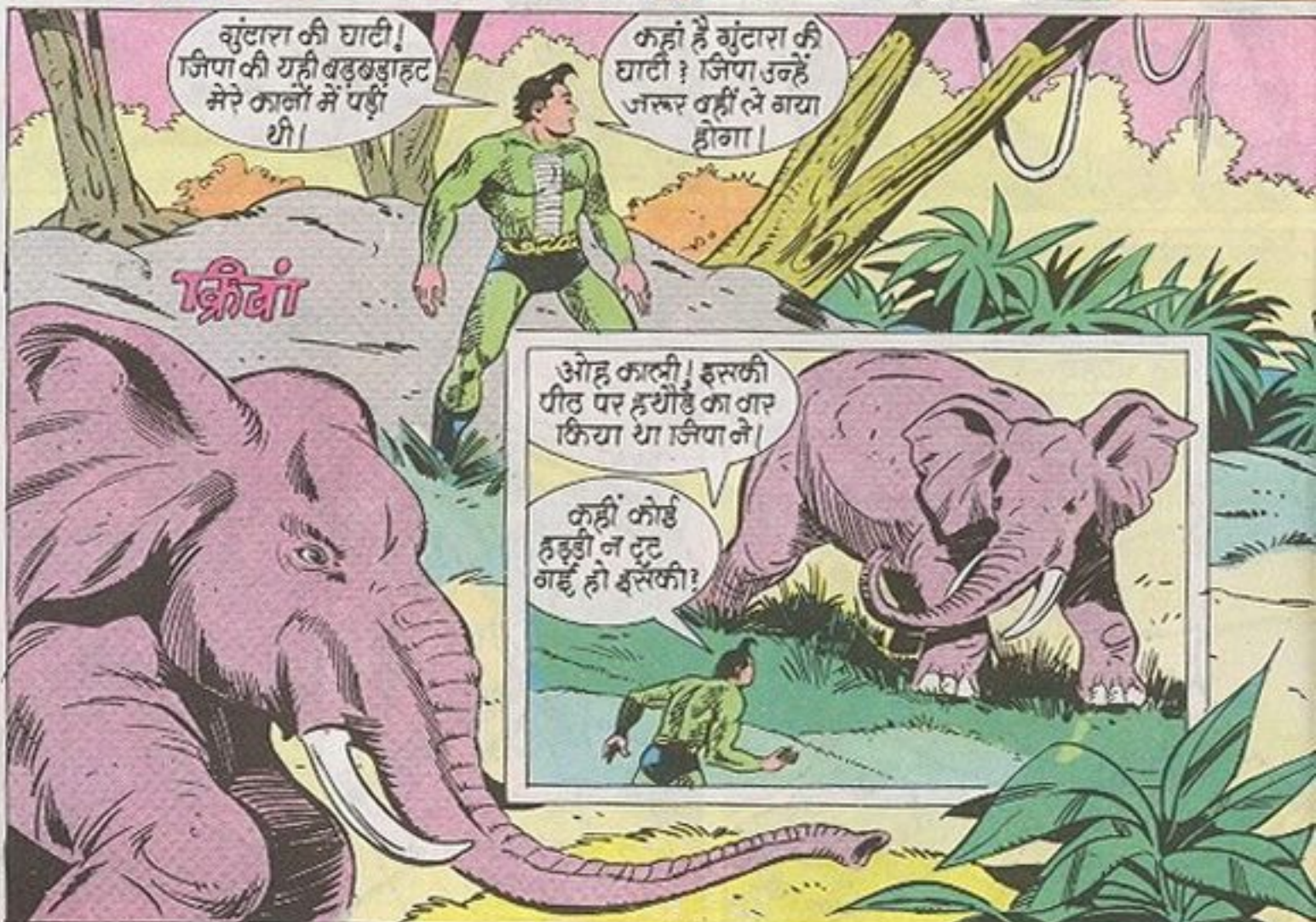
बेग से उसने फर्स्ट एड बाक्स निकाला, और –
ये 'स्प्रे' तुम्हारे दर्द को दूर कर देगा दोस्त काली!

कुछ ही देर में –
मुझे किसी तरह मकालू कबीले तक पहुंचना होगा।
डेनियल के अनुसार कबीला अधिक दूर नहीं होना चाहिए।

तभी –
धांय
गोली का धमाका!
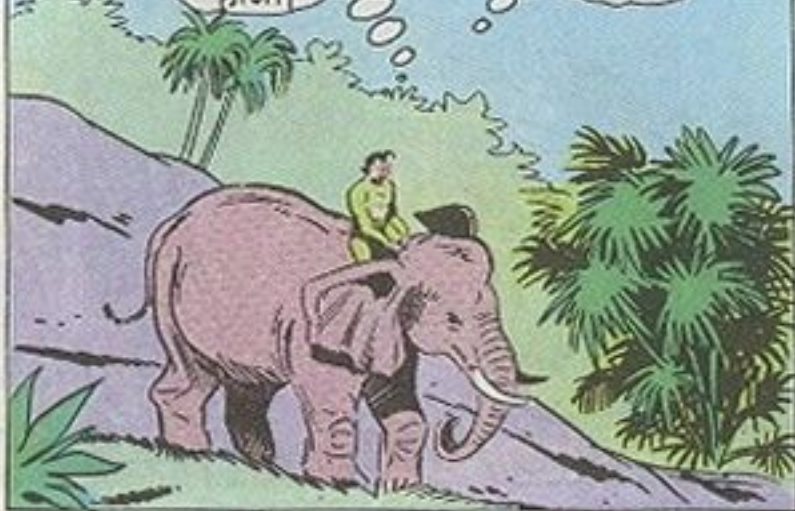
जल्दी चल काली! शायद कोई शिकारी दल फिर किसी निरीह प्राणी की हत्या का प्रयास कर रहा है।

कुछ और आगे बढ़ते ही –
अरे! ये तो जंगली हैं। बंदूक से फायर करके उस गैंडे को डरा रहे हैं। और ये गैंडा कैसा है... रंग-बिरंगा ... सतरंगा?

घबराया हुआ गैंडा तेजी से भागता हुआ एक पेड़ से टकराया –
खटाक

और लम्बी-लम्बी सांसें भरने लगा –

नागरस्सी का फन्दा एक जंगली की गर्दन पर कस गया –
मुझे इस सतरंगे गैंडे को इन जंगलियों से बचाना होगा

आह!

नागराज बहुत खूंखार हो उठा –
सेलेस गेम रिजर्व में गोली चलाना मना है जंगली कुत्ते!
आह ऽऽ

हबाबा... हबाबा...

जंगलियों को अपनी तरफ बढ़ते देख नागराज ने उस जंगली को उन पर उछाल फेंका –
बस बेटे भुजंगी! बहुत कर ली तूने गैंडे की सवारी। अब उतर जा नीचे।

अगले ही पल नागराज उछला, और –
तुम्हारे लिए नागराज की एक-एक किक काफी है।
धाड़

जंगली घबराकर भागे –

नागराज सतरंगे की ओर पलटा –
बेटे सतरंगे! घबरा मत! तेरा इलाज भी है मेरे पास।

नागराज ने प्यार से गैंडे के सिर पर हाथ फेरा –
कौन कहता है कि जानवर इन्सान के दुश्मन हैं! प्यार भरा एक स्पर्श इन्हें दोस्त बनाने के लिए काफी है।

अब तुम जल्दी अच्छे हो जाओगे दोस्त सतरंगे!
अब तुम कहीं भी जाने के लिए स्वतन्त्र हो।

तभी –
कमाल के हिम्मती व बलशाली हो तुम? इन्सान हो या जादूगर?
!?

जंगलियों को देखते ही गैंडा फिर खूंखार हो उठा—
शांत दोस्त! शांत हो जाओ!
ये कौन हैं। दुश्मन या दोस्त।


मैं मकालू कबीले का सरदार ओसाका हूं। तुम कौन हो बहादुर नौजवान!
क्या तुम हमारी भाषा समझ सकते हो?


नागराज मानसिक सम्पर्क बनाकर तुम्हारी भाषा समझ भी सकता है और अपनी तुम्हें समझा भी सकता है सरदार ओसाका!
ओह! नागराज जिसके शरीर से सांप छूटते हैं। वाह!


नागराज ने हेविरल का परिचय भी दे दिया, तब—
तुमने थोडांगा से दुश्मनी लेकर अच्छा नहीं किया नागराज!
थोडांगा? क्या मतलब?
यह कैसे जानता है कि मैं थोडांगा की तलाश में निकला हूं। अभी तो मैंने ये बात इसे बताई ही नहीं!


ये सतरंगा गैंडा सम्राट थोडांगा की घाटी का था।...
...सम्राट थोडांगा की घाटी में ऐसे बहुत से गैंडे हैं नागराज, जिन्हें रंगकर ये रूप दे दिया जाता है।...
...कहते हैं इन गैंडों से थोडांगा रोज कुश्ती लड़ता है


...शायद ये गैंडा किसी तरह घाटी से निकल भागा होगा। सम्राट थोडांगा के आदमी इसे पकड़ने की चेष्टा कर रहे थे, लेकिन तुमने उन पर हमला करके उन्हें भगा दिया!

ओह, यह बात है! सरदार ओसाका! मैं तो खुद थोडांगा से मिलने के लिए बेताब हूं!...
...लेकिन फिलहाल मुझे अपने दोस्त डेनियल और उसकी पत्नी लिसी की जान बचाने के लिए गुंटारा की घाटी पहुंचना है!...

...ओसाका! क्या तुम मुझे गुंटारा की घाटी ले जा सकते हो?

गुंटारा का नाम सुनते ही सरदार का चेहरा मौत की दहशत से पीला पड़ गया—
गुंटारा की घाटी जाकर कोई वापस नहीं लौटा नागराज...
...अब उन्हें भूल जाओ!
नहीं!

फिर सम्राट थोडांगा को पता चल गया कि गुंटारा तक पहुंचने में हमने तुम्हारी मदद की है तो वह हमारे पूरे कबीले में खाक उड़ा देगा!

ओसाका! मैं तुम लोगों की हत्यारे थोडांगा के आतंक से मुक्त कराने आया हूं!...
...और तुम्हारी मदद के बिना मैं यह कार्य नहीं कर सकता!...
...मेरी मदद करो ओसाका!...

...मेरी मदद करके तुम पूरे सेलेस गेम रिजर्व के जंगलात के सभी निरीह प्राणियों की मदद करोगे!

उधर गुंटारा की घाटी में—
रंग-बिरंगे शिकार देखकर थोडांगा को ज्यादा मजा आता है। हा-हा-हा...!
जिपा! तुम मेरा जो मर्जी आए करो। मगर सिसी को छोड़ दो।


वह थोडांगा की दासियों में शामिल होगी।


जिपा सिसी को कंधे पर डालकर चल पड़ा—
कमीने... कुत्ते... जिपा! रुक जा। छोड़ दे उसे। वरना नागराज तुझे बहुत बुरी मौत मारेगा।
मेरी मौत देखने के लिए तू जीवित नहीं बचेगा। हा हा हा।


उफ! अब मैं क्या करूं? मेरी मृत्यु तो निश्चित है। लेकिन सिसी...
तभी चौंक पड़ा डेनियल।


अरे! मेरे बंधन किसने काट डाले!


पीछे पलटते ही उछल पड़ा डेनियल। आंखें आश्चर्य से फट पड़ीं उसकी—
न... नागराज! तो... तुम?
हां, डेनियल! ओसाका मुझे यहां छोड़ गया है। थोडांगा के भय से वह घाटी में मेरे साथ नहीं आया।

नागराज का वाक्य मुंह में ही रह गया—

धाड़

ओफ्फ

गर्रर्रर्र

नागराज! ये बुंटारा है!

बुंटारा! अब तू जीवित नहीं बचेगा!

ुंटारा ने भयानक गर्जना करते हुए
ट्टान नागराज पर उछाल फेंकी —

अफ्रीका के इस
आश्चर्य से मुझे पहले
निबटना होगा।

गुंटारा ने नागराज पर घूंसा
जड़ दिया, पर —

पहले जिया और अब ये...।
उफ! इस कम्बख्त थोडांगा ने भी
कैसे-कैसे भयानक व शक्तिशाली
जीव पाल रखे हैं।

तड़ाक

नागराज एक चट्टान पर जा पहुंचा —

शारीरिक शक्ति
में इससे निबट पाना मुश्किल
है। अपनी सांपों की सेना
भेजता हूं।

र्प गुंटारा से लिपट गए —

गुंटारा ने सांपों को पकड़कर गाजर-मूली की तरह चबा डाला —

कचर कचर

अपने मददगार को संकट में देखकर काली क्रोधित हुआ गुंटारा से टकरा गया —
गुंटारा ने काली को खिलौने की तरह उठा लिया —
गर्र्र
उफ! इसने तो काली को भी उठा लिया।
गुंटारा ने काली को उछाल दिया —
छपाक
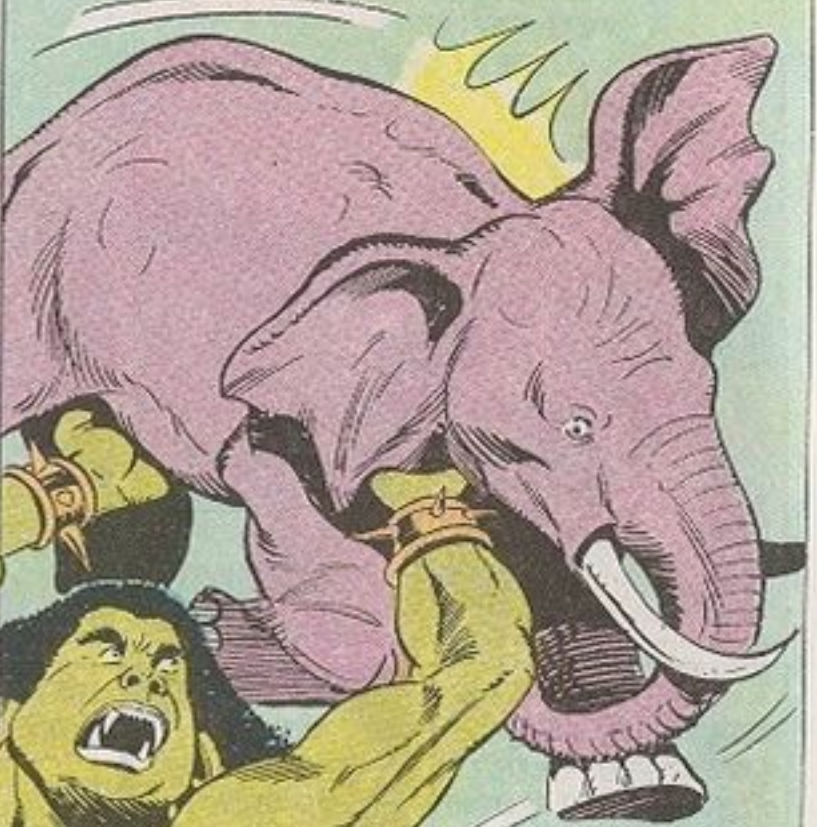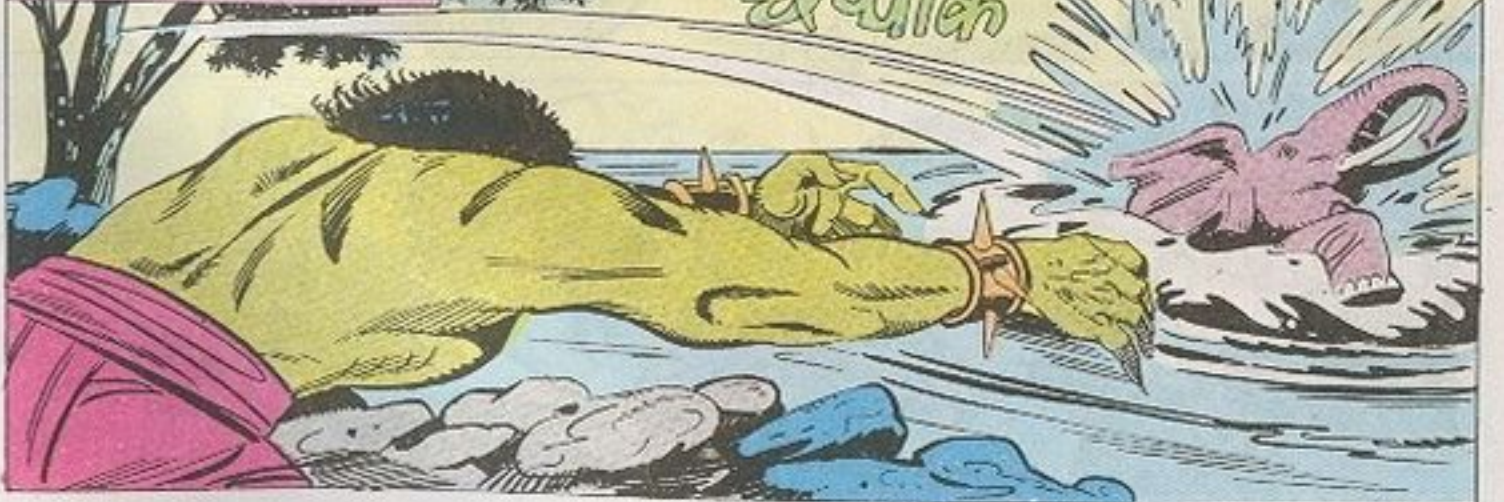
यह देख नागराज सर्प रस्सी पर झूला, और –
ये प्रहार तेरा जबड़ा जरूर हिला देगा।

प्रहार से तिलमिलाकर गुंटारा ने डेनियल को जकड़ लिया –
गर्रर्र
नागराज!

ओह! उसने डेनियल को पकड़ लिया है। अब मुझे अपने सबसे घातक हथियार का इस्तेमाल इस पर करना होगा, वरना ये डेनियल को फाड़कर सुखा देगा

विष फुंकार का सामना ये नहीं कर पायेगा।

विष फुंकार गुंटारा के चेहरे से टकराई –

नागराज की विष फुंकारों से गुंटारा अंधा होकर पागल सिंहों की तरह ताण्डव करने लगा –
गर्रर्र
धड़ाक
धड़ाक

ठीक इसी पल उपद्रव मचाते बुंटारा के कंधे पर जा चढ़ा नागराज, और —
नागराज का काटा पानी भी नहीं मांगता बेटे बुंटारा।
चिंयांऽऽ

नागराज जिसके भीतर है पोटेशियम साइनाइड से भी तीक्ष्ण विषैला जहर। जिसके दंश का मतलब है...!
धड़ाक

बुंटारा का जिस्म मोम की तरह पिघलने लगा —
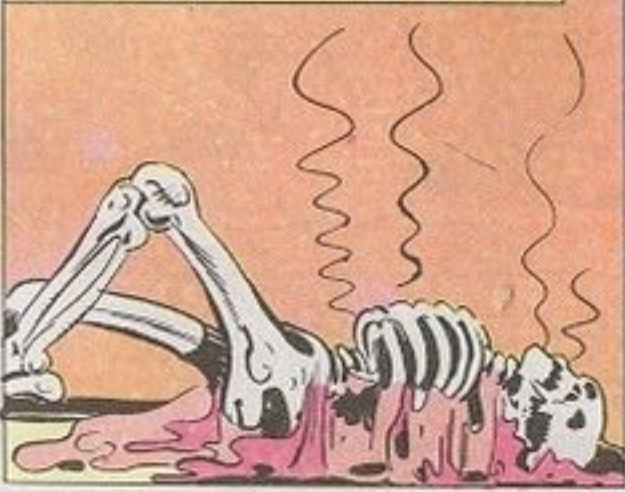
आ जाओ डेनियल। ये घाटी अब बुंटारा के खतरे से सदा के लिए मुक्त हो गई है।
??
इतना विषैला मानव? नागराज! उफ!

डेनियल आश्चर्य से पलकें झपकाता बुंटारा के कंकाल को देख रहा था —
न...नागराज! अब मुझे यकीन हो गया कि तुम तन्जानिया के जंगलों को थोडांगा के आतंक से मुक्त करवा दोगे।
लेकिन डेनियल, सिसी कहां है?

सिसी को वह हरामजादा जिपा थोडांगा की घाटी ले गया है नागराज!
ओह! तुम फिक्र मत करो डेनियल! सिसी जल्दी ही तुम्हारे पास होगी।

और थोडांगा की घाटी की तबाही का दिन भी अब दूर नहीं।

* क्या नागराज थोडांगा की घाटी तक पहुंच सका ?

* क्या काबुकी का खजाना ढूंढ़ा जा सका ?

* आखिर काबुकी के खजाने तक पहुंचने की हिम्मत थोडांगा क्यों नहीं जुटा सका था ? जबकि वह जानता था कि खजाना कहां है? खजाने को पाने के लिए वह क्या कर रहा था ?

इन सब धधकते व रहस्यपूर्ण प्रश्नों के उत्तर पाने के लिए पढ़ें –